भारत सरकार

भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय

भारी उद्योग विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1623

जिसका उत्तर बृहस्पतिवार, 27 दिसम्बर, 2018 को दिया जाना है

भारतीय विद्युत उपस्कर उद्योग मिशन योजना

1623. श्री जोस के मणि और डा. बांडा प्रकाश:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) भारतीय विद्युत उपस्कर उद्योग मिशन योजना वर्ष 2014-2018 से प्रौद्योगिकी का उन्नयन करने, प्रतिस्पर्धात्मकता बढाने और रोजगार सृजन करने में कितना सफल हुआ है;

(ख) मंत्रालय को इस योजना के संबंध में किस प्रकार का निवेश प्राप्त हुआ है; और

(ग) उस अवधि के दौरान योजना के कार्यान्वयन से वैश्विक बाज़ार में किस प्रकार लाभ प्राप्त हुआ?

उत्तर

भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री

(श्री बाबुल सुप्रियो)

(क) 'भारतीय विद्युत उपस्कर उद्योग मिशन प्लान 2012-2022' की सफलता इस तथ्य से सुनिश्चित की जा सकती है कि भारतीय विद्युत उपस्कर क्षेत्र ने वर्ष 2014-18 के दौरान 8.4% सीएजीआर की वृद्धि रिकार्ड की है। वर्ष 2017-18 के दौरान, घरेलू उत्पादन ₹175,525 करोड़ है, जोकि पिछले वर्ष से 10.23% तक अधिक है। निर्यातों में कुल उत्पादन का 23.74% शामिल है, जोकि आयात बाजार मांग का 29.35% है।

विद्युत उपस्कर का निर्यात (₹करोड़ में)

(स्त्रोतः डीजीसीआई एंड एस)

	2014-2015	2015-2016	2016-2017	2017-2018
बॉयलर टरबाइन और जनरेटर	3,711	4,225	4,233	4,398
पारेषण एवं वितरण और अन्य विद्युत उपस्कर	31,693	34,274	35,036	37,164
विद्युत परियोजनाएं उपकरण	14	81	11	115

(ख) वर्ष 2014-18 की अवधि के दौरान विद्युत उपस्कर क्षेत्र के लिए प्राप्त कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश ₹24,429 करोड़ है (स्त्रोतः डीआईपीपी)

(ग) नीचे तालिका में उल्लिखित आयात-निर्यात के आंकड़ों के अनुसार,विद्युत उपस्कर का व्यापार घाटा धीरे-धीरे कम हो रहा है, जो वैश्विक व्यापार में भारतीय विनिर्माताओं की प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार को दर्शाता है।

विद्युत उपस्कर का व्यापार (₹ करोड़ में)

(स्त्रोतः डीजीसीआई एंड एस)

	2014-2015	2015-2016	2016-2017	2017-2018
निर्यात	35,418	38,580	39,280	41,677
आयात	55,987	53,986	55,291	55,608

*****